सत्य का असर समाचार पत्र

Thursday 11th July 2024 website: ?????? ???? 9956834016

कानपुर वरिष्ठ पत्रकार जितेंद्र सिंह पटेल

सीएसए ने बागवान भाइयों हेतु जारी की एडवाइजरी, फल पौधों के रोपण का जुलाई माह सही समय: डॉ वी के त्रिपाठी

पत्रकार जितेंद्र सिंह पटेल
सत्य का असर समाचार पत्र

चंद्रशेखर आजाद कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय कानपुर के कुलपति डॉक्टर आनंद कुमार सिंह के निर्देश के क्रम में आज उद्यान विज्ञान विभाग की विभाग अध्यक्ष डॉ वी के त्रिपाठी ने बताया कि बरसात के इस मौसम में यदि बागवान बाग रोपण के लिए तैयारी नहीं कर पाए है तो वे परेशान न हो। अभी ऐसे क्षेत्र का चुनाव करें जहां पर जल भराव न होता हो, जल निकास का उचित प्रबंध हो और वह क्षेत्र यातायात की सुविधाओं से जुड़ा हो। ध्यान यह रखें कि जिस क्षेत्र पर पौधारोपण करना है दो मीटर तक कोई भी कठोर परत न हो। डॉ त्रिपाठी ने बताया कि उत्तर भारत में इस समय आम, अमरूद, नींबू, बेल, बेर, अनार आदि का बगीचा रोपण कर सकते हैं। उन्होंने बताया कि आम की दशहरी, लंगड़ा, चौसा के लिए 8 x 8 मीटर की दूरी पर तथा आम्रपाली, अम्बिका और मल्लिका के लिए 6x6 मीटर की दूरी पर, अमरूद की लखनऊ 49, इलाहाबादी सफेदा, रेड फ्लेश चित्तीदार, बेदाना, ललित आदि किस्मों के साथ अनार की गणेश मृदुला, रूबी, नींबू की कागजी नींबू विक्रम सीडलेस प्रजातियों के साथ किन्नू मौसमी के रोपण के लिए 6 x 6 मीटर की दूरी पर गड्ढों की खुदाई करते हैं। बगीचा रोपड़ के लिए गड्ढा खोदते समय ध्यान यह रखें कि ऊपर की आधी मिट्टी अलग और नीचे की आधी मिट्टी अलग रखें। गड्ढा को भराव के लिए 10 से 15 किलोग्राम सड़ी हुई गोबर की खाद को ट्राईकोडरमा से उपचारित करने के साथ उसमें 500 ग्राम नीम की खाली तथा 50 ग्राम एजोटोवेक्टर और 50 ग्राम पीएसबी कल्चर डालकर गड्ढे को जमीन से चार-पांच इंच ऊपर तक भर दें। उन्होंने बागवान भाइयों को बताया कि इसके बाद किसी नर्सरी से प्रजाति के अनुसार सही पौधा लेकर खेत में पौधे को उतनी गहराई तक रोपित करें जितना नर्सरी में था और साथ ही किसी लकड़ी आदि का सहारा देकर हल्की सिंचाई कर देना आवश्यक है। तत्पश्चात खरपतवारों को खुरपी से निकालते हुए आने वाले मौसम में सर्दी से और बाद में गर्मी से, तथा कीड़े मकोड़े एवं बीमारियों को सही में समय नियंत्रित करते हुए कई वर्षों तक आप अपने बगीचे से गुणवत्ता युक्त फल प्राप्त कर आर्थिक लाभ भी प्राप्त कर सकते हैं।

राष्ट्रीय सहारा

कानपुर • बृहस्पतिवार • 11 जुलाई • 2024

'फल के पौधों के रोपण का सही समय जुलाई माह'

■ सहारा न्यूज ब्यूरो

कानपुर।

बागवान के इस मौसम में यदि बागवान बाग रोपण की तैयारी नहीं कर पाते हैं तो परेशान न हों क्योंकि फल के पौधों को रोपण का समय जुलाई माह सही है। यह जानकारी चन्द्रशेखर आजाद कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय के उद्यान विज्ञान विभाग के विभागाध्यक्ष डॉ. वीके त्रिपाठी ने दी।

उन्होंने बताया कि बागवान में फल के पौधों के रोपण के लिये ऐसे क्षेत्र का चुनाव करें जहां पर जल भराव न होता हो, जल निकासी की उचित व्यवस्था हो और वह क्षेत्र यातायात सुविधाओं से जुड़ा हो। उन्होंने कहा कि ध्यान रहे कि जिस क्षेत्र पर पौधारोपण करना है दो मीटर तक कोई भी कठोर परत न हो। डॉ. त्रिपाठी ने बताया कि उत्तर भारत में इस समय आम, अमरूद, नीबू, बेल, बेर, आंवला आदि का बगीचा रोपण कर सकते हैं। उन्होंने बताया कि दशहरी, लंगड़ा और चौसा के लिये प्रत्येक पौधे की दूरी 8 गुणे 8 तथा आम्रपाली, अम्बिका और मल्लिका के लिये 6 गुणे 6 मीटर की दूरी होनी चाहिये। अमरूद

बगीचा में रोपित फल का पौधा।

की लखनऊ 49, इलाहाबादी सफेदा अमरूद, रेड फ्लैश विलारा, श्वेता, ललित आदि किस्मों के साथ आंवला की नरेन्द्र कुल्लू, कागजी नीबू कागजी नीबू विक्रम, प्रमालिनी प्रजातियों के साथ किन्नू संतरा के रोपण के लिये 6 गुणे 6 मीटर की दूरी पर गड्ढों की खुदाई करते हैं। उन्होंने बताया कि बगीचा रोपण के लिये गड्ढा खोदते समय ध्यान रखें कि ऊपर की आधी मिट्टी अलग और नीचे की आधी मिट्टी अलग रखें। गड्ढे को भरते समय 10 से 15 किलोग्राम सड़ी हुई गोबर की खाद को ट्राइकोडर्मा से उपचारित करने के साथ उसमें 5 सौ ग्राम नीम की खली व 50 ग्राम एजोटोबैक्टर और 50 ग्राम पीएसबी कल्चर मिलाकर गड्ढे को जमीन से चार पांच इंच ऊपर तक भर दें। उन्होंने बताया कि इसके बाद किसी नर्सरी से प्रजाति के अनुसार सही पौधा लेकर खेत में पौधे को उतनी गहराई तक रोपित करें जितना नर्सरी में था और साथ ही किसी लकड़ी आदि का सहारा देकर हल्की सिंचाई कर देना आवश्यक है। इसके बाद खरपतवारों को खुरपी से निकालते हुए आने वाले मौसम में सर्दी से और बाद में गर्मी व कीड़े-मकोड़े और बीमारियों को सही से नियंत्रित करते हुए कई वर्षों तक आप अपने बगीचे से गुणवत्ता युक्त फल प्राप्त कर अधिक लाभ प्राप्त कर सकते हैं।

> पौधारोपण का क्षेत्र यातायात सुविधा से हो जुड़ा, दो मीटर तक न हो कठोर परत

फल पौधरोपण का सही समय है जुलाई-कृषि वैज्ञानिक

उत्तर भारत में इस समय आम, अमरूद, नींबू, बेल, बेर, अनार आदि का बगीचा रोपण करें किसान

कानपुर, 10 जुलाई। चंद्रशेखर आजाद कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय के कुलपति डॉ. आनंद कुमार सिंह के निर्देश के क्रम में आज उद्यान विज्ञान विभाग की विभाग अध्यक्ष डॉ वी के त्रिपाठी ने बताया कि बरसात के इस मौसम में यदि बागवान बाग रोपण के लिए तैयारी नहीं कर पाए है तो वे परेशान न होने की जरूरत नहीं। अभी ऐसे क्षेत्र का चुनाव करें जहां पर जलभराव न होता हो। जल निकास का उचित प्रबंध हो और वह क्षेत्र यातायात की सुविधाओं से जुड़ा हो। ध्यान यह रखें कि जिस क्षेत्र पर पौधारोपण करना है दो मीटर तक कोई भी कठोर परत न हो। कृषि वैज्ञानिक के मुताबिक कि उत्तर भारत में इस समय आम, अमरूद, नींबू, बेल, बेर, अनार आदि का बगीचा रोपण कर सकते हैं। उन्होंने बताया कि आम की दशहरी, लंगड़ा, चौसा के लिए 8 × 8 मीटर की दूरी पर तथा आम्रपाली, अम्बिका और मल्लिका के लिए 6×6 मीटर की दूरी पर, अमरूद की लखनऊ 49, इलाहाबादी सफेदा, रेड फ्लैश चित्तीदार, बेदाना, ललित आदि किस्मों के साथ अनार की गणेश मृदुला, रूबी, नींबू की कागजी नींबू विक्रम

सीएसए के कृषि वैज्ञानिक ने बागवान भाइयों के लिए जारी की एडवाइजरी

सीडलेस प्रजातियों के साथ किन्नू मौसमी के रोपण के लिए 6 × 6 मीटर की दूरी पर गड्ढों की खुदाई करते हैं। बगीचा रोपड़ के लिए गड्ढा खोदते समय ध्यान यह रखें कि ऊपर की आधी मिट्टी अलग और नीचे की आधी मिट्टी अलग रखें। गड्ढा को भराव के लिए 10 से 15 किलोग्राम सड़ी हुई गोबर की खाद को ट्राईकोडरमा से उपचारित करने के साथ उसमें 500 ग्राम नीम की खाली तथा 50 ग्राम एजोटोवेक्टर और 50 ग्राम पीएसबी कल्चर डालकर गड्ढे को जमीन से चार-पांच इंच ऊपर तक भर दें। उन्होंने बागवान भाइयों को बताया कि इसके बाद किसी नर्सरी से प्रजाति के अनुसार सही पौधा लेकर खेत में पौधे को उतनी गहराई तक रोपित करें जितना नर्सरी में था और साथ ही किसी लकड़ी आदि का सहारा देकर हल्की सिंचाई कर देना आवश्यक है। इसके बाद खरपतवारों को खुरपी से निकालते हुए आने वाले मौसम में सर्दी से और बाद में गर्मी से, तथा कीड़े मकोड़े एवं बीमारियों को सही में समय नियंत्रित करे। कई वर्षों तक अपने बगीचे से गुणवत्ता युक्त फल प्राप्त कर आर्थिक लाभ ले सकेंगे।

सूर्यास्त 05.12 | कानपुर व लखनऊ से एक साथ प्रकाशित | वर्ष : 16 अंक : 13 | कानपुर, गुरूवार 11 जुलाई 2024 | नगर संस्करण | पृष्ठ 12 | मूल्य : 2.00 रुपए

न्यूनतम 15.0°

62,710

78,500

राष्ट्रीय स्वरूप

एडवाइजरीः फल पौधों के रोपण का जुलाई माह सही समय-डॉ वीके त्रिपाठी।

कानपुर । चंद्रशेखर आजाद कृषि एवं प्रौद्योगिकी विवि के वीसी डॉ आनंद कुमार सिंह के निर्देश के क्रम में बुधवार को उद्यान विज्ञान विभाग की विभाग अध्यक्ष डॉ वी के त्रिपाठी ने बताया कि बरसात के इस मौसम में यदि बागवान बाग रोपण के लिए तैयारी नहीं कर पाए है तो वे परेशान न हो। अभी ऐसे क्षेत्र का चुनाव करें जहां पर जल भराव न होता हो, जल निकास का उचित प्रबंध हो और वह क्षेत्र यातायात की सुविधाओं से जुड़ा हो। ध्यान यह रखें कि जिस क्षेत्र पर पौधारोपण करना है दो मीटर तक कोई भी कठोर परत न हो। डॉ त्रिपाठी ने बताया कि उत्तर भारत में इस समय आम, अमरूद, नींबू, बेल, बेर, अनार आदि का बगीचा रोपण कर सकते हैं। उन्होंने बताया कि आम की दशहरी, लंगड़ा, चौसा के लिए 8 × 8 मीटर की दूरी पर तथा आम्रपाली, अम्बिका और मल्लिका के लिए 6×6 मीटर की दूरी पर, अमरूद की लखनऊ 49, इलाहाबादी सफेदा, रेड फ्लैश चित्तीदार, बेदाना, ललित आदि किस्मों के साथ अनार की गणेश मृदुला, रूबी, नींबू की कागजी नींबू विक्रम सीडलेस प्रजातियों

के साथ किन्नू मौसमी के रोपण के लिए 6 × 6 मीटर की दूरी पर गड्ढों की खुदाई करते हैं। बगीचा रोपड़ के लिए गड्ढा खोदते समय ध्यान यह रखें कि ऊपर की आधी मिट्टी अलग और नीचे की आधी मिट्टी अलग रखें। गड्ढा को भराव के लिए 10 से 15 किलोग्राम सड़ी हुई गोबर की खाद को ट्राईकोडरमा से उपचारित करने के साथ उसमें 500 ग्राम नीम की खाली तथा 50 ग्राम एजोटोवेक्टर और 50 ग्राम पीएसबी कल्चर डालकर गड्ढे को जमीन से चार-पांच इंच ऊपर तक भर दें। उन्होंने बागवान भाइयों को बताया कि इसके बाद किसी नर्सरी से प्रजाति के अनुसार सही पौधा लेकर खेत में पौधे को उतनी गहराई तक रोपित करें जितना नर्सरी में था और साथ ही किसी लकड़ी आदि का सहारा देकर हल्की सिंचाई कर देना आवश्यक है। तत्पश्चात खरपतवारों को खुरपी से निकालते हुए आने वाले मौसम में सर्दी से और बाद में गर्मी से, तथा कीड़े मकोड़े एवं बीमारियों को सही में समय नियंत्रित करते हुए कई वर्षों तक आप अपने बगीचे से गुणवत्ता युक्त फल प्राप्त कर आर्थिक लाभ भी प्राप्त कर सकते हैं।

राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

दि ग्राम टूडे

अपना प्रदेश

सीएसए ने बागवान भाइयों हेतु जारी की एडवाइजरी, फल पौधों के रोपण का जुलाई माह सही समय.. डॉ वी के त्रिपाठी

दि ग्राम टुडे , कानपुर ।

(संजय मौर्य)

चंद्रशेखर आजाद कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय कानपुर के कुलपति डॉक्टर आनंद कुमार सिंह के निर्देश के क्रम में आज उद्यान विज्ञान विभाग की विभाग अध्यक्ष डॉ वी के त्रिपाठी ने बताया कि बरसात के इस मौसम में यदि बागवान बाग रोपण के लिए तैयारी नहीं कर पाए है तो वे परेशान न हो। अभी ऐसे क्षेत्र का चुनाव करें जहां पर जल भराव न होता हो, जल निकास का उचित प्रबंध हो और वह क्षेत्र यातायात की सुविधाओं से जुड़ा हो। ध्यान यह रखें कि जिस क्षेत्र पर पौधारोपण करना है दो मीटर तक कोई भी कठोर परत न हो। डॉ त्रिपाठी ने बताया कि उत्तर भारत में इस समय आम, अमरूद, नींबू, बेल, बेर, अनार आदि का बगीचा रोपण कर सकते हैं। उन्होंने बताया कि आम की दशहरी, लंगड़ा, चौसा के लिए 8 × 8 मीटर की दूरी पर तथा आम्रपाली, अम्बिका और मल्लिका के लिए 6×6 मीटर की दूरी पर, अमरूद की लखनऊ 49, इलाहाबादी सफेदा, रेड फ्लैश चित्तीदार, बेदाना, ललित आदि किस्मों के साथ अनार की गणेश मृदुला, रूबी, नींबू की कागजी नींबू विक्रम सीडलेस प्रजातियों के साथ किनू मौसमी के रोपण के लिए 6 × 6 मीटर की दूरी पर गड्ढों की खुदाई करते हैं। बगीचा रोपड़ के लिए गड्ढा खोदते समय ध्यान यह रखें कि ऊपर की आधी मिट्टी अलग और नीचे की आधी मिट्टी अलग रखें। गड्ढा को भराव के लिए 10 से 15 किलोग्राम सड़ी हुई गोबर की खाद को ट्राईकोडरमा से उपचारित करने के साथ उसमें 500 ग्राम नीम की खली तथा 50 ग्राम एजोटोबेक्टर और 50 ग्राम पीएसबी कल्चर डालकर गड्ढे को जमीन से चार-पांच इंच ऊपर तक भर दें। उन्होंने बागवान भाइयों को बताया कि इसके बाद किसी नर्सरी से प्रजाति के अनुसार सही पौधा लेकर खेत में पौधे को उतनी गहराई तक रोपित करें जितना नर्सरी में था और साथ ही किसी लकड़ी आदि का सहारा देकर हल्की सिंचाई कर देना आवश्यक है। तत्पश्चात खरपतवारों को खुरपी से निकालते हुए आने वाले मौसम में सर्दी से और बाद में गर्मी से, तथा कीड़े मकोड़े एवं बीमारियों को सही में समय नियंत्रित करते हुए कई वर्षों तक आप अपने बगीचे से गुणवत्ता युक्त फल प्राप्त कर आर्थिक लाभ भी प्राप्त कर सकते हैं।

देश-विदेश | लखनऊ और देहरादून से प्रकाशित राष्ट्रीय हिंदी दैनिक | उत्तर प्रदेश

ऑस्ट्रिया में मोदी ने यूएनएससी में रिफॉर्म... 12

सीएम योगी ने वितरित किए नियुक्ति पत्र... 05

जन एक्सप्रेस

लखनऊ
वर्ष: 15 | अंक: 267
मूल्य: ₹3.00/-
पेज : 12
गुरुवार | 11 जुलाई 2024

@janexpressnews janexpresslive janexpresslive www.janexpresslive.com/epaper

बागवानों को एडवाइजरी जारी कर फल पौधों के रोपण की दी जानकारी

जन एक्सप्रेस । कानपुर नगर

चंद्रशेखर आजाद कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय कानपुर के उद्यान विज्ञान विभाग की विभागाध्यक्ष डॉ. वी.के.त्रिपाठी ने बुधवार को बागवानों के लिए एडवाइजरी जारी की। उन्होंने बताया कि फल पौधों के रोपण के लिए जुलाई माह सही समय है। बरसात के इस मौसम में यदि बागवान रोपण के लिए बाग तैयारी नहीं कर पाए है तो वे परेशान न हो बल्कि ऐसे क्षेत्र का चुनाव करें जहां पर जल भराव न होता हो, जल निकास का उचित प्रबंध हो और वह क्षेत्र यातायात की सुविधाओं से जुड़ा हो। डॉ. त्रिपाठी ने बताया कि उत्तर भारत में इस समय आम, अमरूद, नींबू, बेल, बेर, अनार आदि का बगीचा रोपण कर सकते हैं। उन्होंने बताया कि आम की दशहरी, लंगड़ा, चौसा के लिए 8 × 8 मीटर की दूरी पर तथा आम्रपाली, अम्बिका और मल्लिका के लिए 6×6 मीटर की दूरी पर, अमरूद की लखनऊ 49, इलाहाबादी सफेदा, रेड फ्लैश चित्तीदार, बेदाना, ललित आदि किस्मों के साथ अनार की गणेश मृदुला, रूबी, नींबू की कागजी नींबू विक्रम सीडलेस प्रजातियों के साथ किन्नू मौसमी के रोपण के लिए 6 × 6 मीटर की दूरी पर गड्ढों की खुदाई करते हैं। उन्होंने बगीचा रोपड़ के लिए गड्ढा खोदते समय कि ऊपर की आधी मिट्टी अलग और नीचे की आधी मिट्टी अलग रखने को कहा। गड्ढो के भराव के लिए 10 से 15 किलोग्राम सड़ी हुई गोबर की खाद को ट्राईकोडरमा से उपचारित करने के साथ उसमें 500 ग्राम नीम की खली तथा 50 ग्राम एजोटोवेक्टर और 50 ग्राम पीएसबी कल्चर डालकर गड्ढे को जमीन से चार-पांच इंच ऊपर तक भर दें। उन्होंने बागवानों को बताया कि इसके बाद किसी नर्सरी से प्रजाति के अनुसार सही पौधा लेकर खेत में पौधे को उतनी गहराई तक रोपित करें जितना नर्सरी में था और साथ ही किसी लकड़ी आदि का सहारा देकर हल्की सिंचाई कर देना आवश्यक है। उन्होंने बताया कि खरपतवारों को खुरपी से निकालते हुए आने वाले मौसम में सर्दी से और बाद में गर्मी से, तथा कीड़े मकोड़े एवं बीमारियों को सही में समय नियंत्रित करते हुए कई वर्षों तक अपने बगीचे से गुणवत्ता युक्त फल प्राप्त करने के साथ आर्थिक लाभ भी प्राप्त कर सकते हैं।

अंक-131 कानपुर, गुरूवार 11 जुलाई 2024 पृष्ठ-8

दैनिक

आज का कानपुर

पुर से प्रकाशित लखनऊ, उन्नाव, सीतापुर, लखीमपुर खीरी, हमीरपुर, महोबा, बांदा, फतेहपुर, प्रयागराज, इटावा, कन्नौज, गाजीपुर, कानपुर देहात, सुल्तानपुर, अमेठी, बहराइच में प्रसारित

सीएसए ने बागवान भाइयों हेतु जारी की एडवाइजरी

फल पौधों के रोपण का जुलाई माह उपायुक्त समय- डॉ वी के त्रिपाठी

आज का कानपुर

कानपुर । चंद्रशेखर आजाद कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय कानपुर के कुलपति डॉक्टर आनंद कुमार सिंह के निर्देश के क्रम में उद्यान विज्ञान विभाग की विभागाध्यक्ष डॉ वी के त्रिपाठी ने बताया कि बरसात के इस मौसम में यदि बागवान बाग रोपण के लिए तैयारी नहीं कर पाए है तो वे परेशान न हो अभी ऐसे क्षेत्र का चुनाव करें जहां पर जल भराव न होता हो, जल निकास का उचित प्रबंध हो और वह क्षेत्र यातायात की सुविधाओं से जुड़ा हो ध्यान यह रखें कि जिस क्षेत्र पर पौधारोपण करना है दो मीटर तक कोई भी कठोर परत न हो डॉ त्रिपाठी ने बताया कि उत्तर भारत में इस समय आम, अमरूद, नींबू, बेल, बेर, अनार आदि का बगीचा रोपण कर सकते हैं उन्होंने बताया कि आम की दशहरी, लंगड़ा, चौसा के लिए 8 × 8 मीटर की दूरी पर तथा आम्रपाली, अम्बिका और मल्लिका के लिए 6×6 मीटर की दूरी पर, अमरूद की लखनऊ 49, इलाहाबादी सफेदा, रेड फ्लैश चित्तीदार, बेदाना, ललित आदि किस्मों के साथ अनार की गणेश मृदुला, रूबी, नींबू की कागजी नींबू विक्रम सीडलेस प्रजातियों के साथ किन्नू मौसमी के रोपण के लिए 6 × 6 मीटर की दूरी पर गड्ढों की खुदाई करते हैं बगीचा रोपड़ के लिए गड्ढा खोदते समय ध्यान यह रखें कि ऊपर की आधी मिट्टी अलग और नीचे की आधी मिट्टी अलग रखें गड्ढा को भराव के लिए 10 से 15 किलोग्राम सड़ी हुई गोबर की खाद को ट्राईकोडरमा से उपचारित करने के साथ उसमें 500 ग्राम नीम की खाली तथा 50 ग्राम एजोटोवेक्टर और 50 ग्राम पीएसबी कल्चर डालकर गड्ढे को जमीन से चार-पांच इंच ऊपर तक भर दें। उन्होंने बागवान भाइयों को बताया कि इसके बाद किसी नर्सरी से प्रजाति के अनुसार सही पौधा लेकर खेत में पौधे को उतनी गहराई तक रोपित करें जितना नर्सरी में था और साथ ही किसी लकड़ी आदि का सहारा देकर हल्की सिंचाई कर देना आवश्यक है तत्पश्चात खरपतवारों को खुरपी से निकालते हुए आने वाले मौसम में सर्दी से और बाद में गर्मी से, तथा कीड़े मकोड़े एवं बीमारियों को सही में समय नियंत्रित करते हुए कई वर्षों तक आप अपने बगीचे से गुणवत्ता युक्त फल प्राप्त कर आर्थिक लाभ भी प्राप्त कर सकते हैं।

email: shahardayaranews@gmail.com

दैनिक

शहर दायरा न्यूज

हिन्दी/अंग्रेजी द्विभाषीय

https://www.facebook.com/shahardayaranews/

सीएसए ने बागवान भाइयों हेतु जारी की एडवाइजरी

फल पौधों के रोपण का जुलाई माह उपायुक्त समय- डॉ वी के त्रिपाठी

शहर दायरा न्यूज

कानपुर। चंद्रशेखर आजाद कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय कानपुर के कुलपति डॉक्टर आनंद कुमार सिंह के निर्देश के क्रम में उद्यान विज्ञान विभाग की विभागाध्यक्ष डॉ वी के त्रिपाठी ने बताया कि बरसात के इस मौसम में यदि बागवान बाग रोपण के लिए तैयारी नहीं कर पाए है तो वे परेशान न हो अभी ऐसे क्षेत्र का चुनाव करें जहां पर जल भराव न होता हो, जल निकास का उचित प्रबंध हो और वह क्षेत्र यातायात की सुविधाओं से जुड़ा हो ध्यान यह रखें कि जिस क्षेत्र पर पौधारोपण करना है दो मीटर तक कोई भी कठोर परत न हो डॉ त्रिपाठी ने बताया कि उत्तर भारत में इस समय आम, अमरूद, नींबू, बेल, बेर, अनार आदि का बगीचा रोपण कर सकते हैं उन्होंने बताया कि आम की दशहरी, लंगड़ा, चौसा के लिए 8 × 8 मीटर की दूरी पर तथा आम्रपाली, अम्बिका और मल्लिका के लिए 6×6 मीटर की दूरी पर, अमरूद की लखनऊ 49, इलाहाबादी सफेदा, रेड फ्लैश चित्तीदार, बेदाना, ललित आदि किस्मों के साथ अनार की गणेश मृदुला, रूबी, नींबू की कागजी नींबू विक्रम सीडलेस प्रजातियों के साथ किन्नू मौसमी के रोपण के लिए 6 × 6 मीटर की दूरी पर गड्ढों की खुदाई करते हैं बगीचा रोपड़ के लिए गड्ढा खोदते समय ध्यान यह रखें कि ऊपर की आधी मिट्टी अलग और नीचे की आधी मिट्टी अलग रखें गड्ढा को भराव के लिए 10 से 15 किलोग्राम सड़ी हुई गोबर की खाद को ट्राईकोडरमा से उपचारित करने के साथ उसमें 500 ग्राम नीम की खाली तथा 50 ग्राम एजोटोवेक्टर और 50 ग्राम पीएसबी कल्चर डालकर गड्ढे को जमीन से चार-पांच इंच ऊपर तक भर दें। उन्होंने बागवान भाइयों को बताया कि इसके बाद किसी नर्सरी से प्रजाति के अनुसार सही पौधा लेकर खेत में पौधे को उतनी गहराई तक रोपित करें जितना नर्सरी में था और साथ ही किसी लकड़ी आदि का सहारा देकर हल्की सिंचाई कर देना आवश्यक है तत्पश्चात खरपतवारों को खुरपी से निकालते हुए आने वाले मौसम में सर्दी से और बाद में गर्मी से, तथा कीड़े मकोड़े एवं बीमारियों को सही में समय नियंत्रित करते हुए कई वर्षों तक आप अपने बगीचे से गुणवत्ता युक्त फल प्राप्त कर आर्थिक लाभ भी प्राप्त कर सकते हैं

महिला ने लगाया
पुलिस आयुक्त अ

कानपुर-पुलिस आयुक्त की जन सुनवाई में एक पीड़िता ने अपने ससुराल जनों पर मारपीट और दहेज उत्पीड़न का आरोप लगाते हुए शिकायत दर्ज की है वही फरियाद सुन रहे पुलिस आयुक्त अखिल कुमार ने न्याय दिलाने का आश्वासन देते हुए आरोपियों पर कार्यवाही की बात कही जानकारी के मुताबिक पुलिस आयुक्त की जनता दर्शन में फरियाद लेकर आई पीड़िता चांदनी खान ने बताया कि उसका पहले सलमान खान पुत्र नफीस खान निवासी सीसामऊ थाना चमनगंज से प्रेम संबंध के चलते निकाह किया और साथ में रहने लगी कुछ ही दिन बाद बॉयफ्रेंड से पति बने सलमान खान ने तलाक दे दिया पीड़िता ने किसी तरह ब्वाय फ्रेंड सलमान के परिवार का पता लगाकर घर पहुंची और सलमान की

अमर भारती
एक उम्मीद
...श, 06 संस्करण
...: 12, मूल्य: 03 रु. RNI No. UPHIN/2011/46455 www.amarbharti.com गुरुवार, 11 जुलाई 2024 शक सम्वत् 1946, आषाढ़ शु...

फल-पौधों के रोपण का जुलाई माह सही समयः डॉ. वीके त्रिपाठी

अमर भारती ब्यूरो

कानपुर। चंद्रशेखर आजाद कृषि एवं प्रौद्योगिकी विवि के वीसी डॉ आनंद कुमार सिंह के निर्देश के क्रम में बुधवार को उद्यान विज्ञान विभाग की विभाग अध्यक्ष डॉ वी के त्रिपाठी ने बताया कि बरसात के इस मौसम में यदि बागवान बाग रोपण के लिए तैयारी नहीं कर पाए है तो वे परेशान न हो। अभी ऐसे क्षेत्र का चुनाव करें जहां पर जल भराव न होता हो, जल निकास का उचित प्रबंध हो और वह क्षेत्र यातायात की सुविधाओं से जुड़ा हो। ध्यान यह रखें कि जिस क्षेत्र पर पौधारोपण करना है दो मीटर तक कोई भी कठोर परत न हो। डॉ त्रिपाठी ने बताया कि उत्तर भारत में इस समय आम, अमरूद, नींबू, बेल, बेर, अनार आदि का बगीचा रोपण कर सकते हैं। उन्होंने बताया कि आम की दशहरी, लंगड़ा, चौसा के लिए 8 × 8 मीटर की दूरी पर तथा आम्रपाली, अम्बिका और मल्लिका के लिए 6×6 मीटर की दूरी पर, अमरूद की लखनऊ 49, इलाहाबादी सफेदा, रेड फ्लैश चित्तीदार, बेदाना, ललित आदि किस्मों के साथ अनार की गणेश मृदुला, रूबी, नींबू की कागजी नींबू विक्रम सीडलेस प्रजातियों के साथ किन्नू मौसमी के रोपण के लिए 6 × 6 मीटर की दूरी पर गड्ढों की खुदाई करते हैं। बगीचा रोपड़ के लिए गड्ढा खोदते समय ध्यान यह रखें कि ऊपर की आधी मिट्टी अलग और नीचे की आधी मिट्टी अलग रखें। गड्ढा को भराव के लिए 10 से 15 किलोग्राम सड़ी हुई गोबर की खाद को ट्राईकोडरमा से उपचारित करने के साथ उसमें 500 ग्राम नीम की खाली तथा 50 ग्राम एजोटोवेक्टर और 50 ग्राम पीएसबी कल्चर डालकर गड्ढे को जमीन से चार-पांच इंच ऊपर तक भर दें। उन्होंने बागवान भाइयों को बताया कि इसके बाद किसी नर्सरी से प्रजाति के अनुसार सही पौधा लेकर खेत में पौधे को उतनी गहराई तक रोपित करें जितना नर्सरी में था और साथ ही किसी लकड़ी आदि का सहारा देकर हल्की सिंचाई कर देना आवश्यक है। तत्पश्चात खरपतवारों को खुरपी से निकालते हुए आने वाले मौसम में सर्दी से और बाद में गर्मी से, तथा कीड़े मकोड़े एवं बीमारियों को सही में समय नियंत्रित करते हुए कई वर्षों तक आप अपने बगीचे से गुणवत्ता युक्त फल प्राप्त कर आर्थिक लाभ भी प्राप्त कर सकते हैं।

सीएसए ने बागवान भाइयों हेतु जारी की एडवाइजरी

कानपुर (नगर छाया समाचार)। चंद्रशेखर आजाद कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय कानपुर के कुलपति डॉक्टर आनंद कुमार सिंह के निर्देश के क्रम में आज उद्यान विज्ञान विभाग की विभाग अध्यक्ष डॉ वी के त्रिपाठी ने बताया कि बरसात के इस मौसम में यदि बागवान बाग रोपण के लिए तैयारी नहीं कर पाए है तो वे परेशान न हो। अभी ऐसे क्षेत्र का चुनाव करें जहां पर जल भराव न होता हो, जल निकास का उचित प्रबंध हो और वह क्षेत्र यातायात की सुविधाओं से जुड़ा हो। ध्यान यह रखें कि जिस क्षेत्र पर पौधारोपण करना है दो मीटर तक कोई भी कठोर परत न हो। डॉ त्रिपाठी ने बताया कि उत्तर भारत में इस समय आम, अमरूद, नींबू, बेल, बेर, अनार आदि का बगीचा रोपण कर सकते हैं। उन्होंने बताया कि आम की दशहरी, लंगड़ा, चौसा के लिए 8 × 8 मीटर की दूरी पर तथा आम्रपाली, अम्बिका और मल्लिका के लिए 6×6 मीटर की दूरी पर, अमरूद की लखनऊ 49, इलाहाबादी सफेदा, रेड फ्लैश चित्तीदार, बेदाना, ललित आदि किस्मों के साथ अनार की गणेश मृदुला, रूबी, नींबू की कागजी नींबू विक्रम सीडलेस प्रजातियों के साथ किन्नू मौसमी के रोपण के लिए 6 × 6 मीटर की दूरी पर गड्ढों की खुदाई करते हैं। बगीचा रोपड़ के लिए गड्ढा खोदते समय ध्यान यह रखें कि ऊपर की आधी मिट्टी अलग और नीचे की आधी मिट्टी अलग रखें। गड्ढा को भराव के लिए 10 से 15 किलोग्राम सड़ी हुई गोबर की खाद को ट्राईकोडरमा से उपचारित करने के साथ उसमें 500 ग्राम नीम की खाली तथा 50 ग्राम एजोटोवेक्टर और 50 ग्राम पीएसबी कल्चर डालकर गड्ढे को जमीन से चार-पांच इंच ऊपर तक भर दें। उन्होंने बागवान भाइयों को बताया कि इसके बाद किसी नर्सरी से प्रजाति के अनुसार सही पौधा लेकर खेत में पौधे को उतनी गहराई तक रोपित करें जितना नर्सरी में था और साथ ही किसी लकड़ी आदि का सहारा देकर हल्की सिंचाई कर देना आवश्यक है। तत्पश्चात खरपतवारों को खुरपी से निकालते हुए आने वाले मौसम में सर्दी से और बाद में गर्मी से, तथा कीड़े मकोड़े एवं बीमारियों को सही में समय नियंत्रित करते हुए कई वर्षों तक आप अपने बगीचे से गुणवत्ता युक्त फल प्राप्त कर आर्थिक लाभ भी प्राप्त कर सकते हैं।

रीजें
प

कानपुर (न
रीजेंसी कानपुर
मरीज पर जटिल
और स्टेंटिंग प्रक्रि
अंजाम देने की घ
रहा है। इस केस
इस्केमिक स्ट्रोक
रक्षक प्रक्रिया
लिमिटेड, कानपुर
कार्डियोलॉजिस्ट
किया गया।
इस केस में मरी
इस्केमिक स्ट्रोक
उसके बाएं इंटर
90 प्रतिशत ग
डायग्नोसिस किय
रीजेंसी कानपुर
कैरोटिड एंजि
कैरोटिड आर्टरी
बाद गंभीर 95प्रति
चला। जटिल
एक्सेस के माध्य
बाएं आम कैरो
टेढ़ी-मेढ़ी स्थिति
विशेष हार्डवेय
प्रक्रिया के दौरान
रोकने के लिए
ईज़ेड के साथ
रेडियोलॉजिकल
सेल्फ-एक्सपेंडिं
ठीक से लगाया
वाले गुब्बारे के

कानपुर ज

कानपुर देहात
न्यूज के पत्रकार
499/500 व 50
देहात की पुलिस
के मंत्री और पूर्व
शीर्षक से खबर
महोदय की छवि
पत्रकार पर F
को कानपुर जर्नलि
उक्त दमनात्मक